Nai Duniya (Indore), 13th July 2025, Nai Dunia City, Page- I

युवा स्वदेशी तकनीक पर करें नवाचार

आइआइटी इंदौर का 13वां दीक्षांत समारोह, छह स्वर्ण और आठ रजत पदक से विद्यार्थी सम्मानित

नईदुनिया प्रतिनिधि, इंदौर : विश्वभर में भारत को लेकर मिडियल इनकम कंट्री की छवि बनी है। अब देशवासियों को इससे उभरने की जरूरत है, क्योंकि समय तेजी से बदल रहा है। नए और अलग भारत की कल्पना की बातें हो रही हैं। यह काम देश के इंजीनियर और साइंटिस्ट के बिना संभव नहीं है। दोनों मिलकर नई टेक्नोलाजी में भारत को अग्रणी बना सकते हैं। यानी युवाओं को स्वदेशी तकनीकी विकसित करना होगा, क्योंकि बीते दो दर्शक में भारतीय साफ्टवेयर से जुड़े क्षेत्र में उत्कष्ट कार्य करने में लगे हैं। खासकर साफ्टवेयर सर्विस सेक्टर में युवाओं की भूमिका अहम है। मगर आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) का चलन बढ़ने से सबसे ज्यादा सर्विस सेक्टर प्रभावित हुआ है। जाब कम हुई है। पैकेज गिरने लगे हैं। इस दौर में भारत को सर्विस सेक्टर के साथ ही डिजाइन और मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र भी आगे आना होगा।

यह बात एचसीएल के सह संस्थापक व मुख्य अतिथि पद्मभूषण डा. अजय चौधरी ने कहीं। शनिवार को भारतीय प्रौद्योगिक संस्थान (आइआइटी इंदौर) के 13वें दीक्षा समारोह आयोजित किया गया। वे कहते हैं कि नए भारत को बनाने के लिए हमें अपनी तकनीक को विकसित करना होगा। इसके लिए बेहतर उदाहरण यह है कि हमें अंतरिक्ष तकनीकी और परमाणु ऊर्जा की दिशा में काम करना चाहिए। इसके लिए भारत में संसाधनों की कोई कमी नहीं है। इंजीनियर और साइंटिस्ट भी अच्छा काम कर रहे हैं। तकनीक बनने से पूरी दुनिया अपनाने को मजबूर हो जाए। तभी देश का विकास सही दिशा में माना जाएगा।

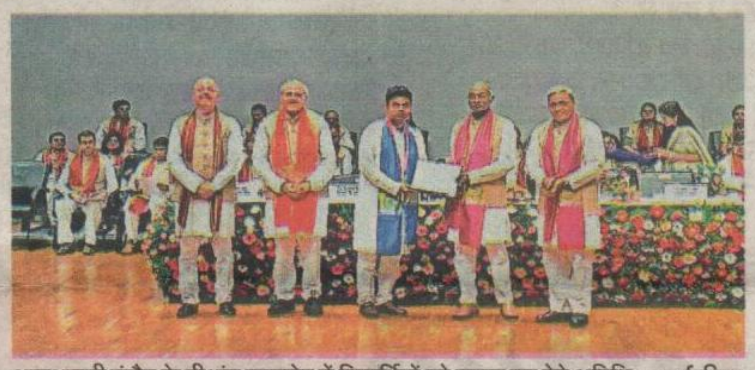

आइआइटी इंदौर के दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र देते अतिथि • नईदुनिया

संघर्ष से सफलता तक की प्रेरणादायक कहानी

आदित्य गुहगरकर को उनके संतुलित और उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बेस्ट आलराउंडर गोल्ड मेडल दिया गया है। उन्होंने इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में बीटेक किया है। आदित्य का मानना है कि हर काम को पूरी निष्ठा और दिल से करना चाहिए। सफलता तुरंत नहीं मिलती, अगर गिरने के बाद फिर खड़े हुए तो जरूर मिलेगी।

दीक्षांत समारोह में पदक प्राप्त करने के बाद खुशियां मनाते विद्यार्थी। • नईदुनिया

समाज और पर्यावरण को फायदा पहुंचाने की पहल

डा. तनमय व्यास को पीएचडी में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 'अगम प्रसाद मेमोरियल गोल्ड मेडल' से सम्मानित किया गया है। उन्होंने बायोसाइंसेस और बायोमेडिकल इंजीनियरिंग में पीएचडी के दौरान एक डिटेक्शन किट विकसित की है, जो पानी में मौजूद भारी धातुओं और कीटनाशकों (पेस्टिसाइड्स) का पता लगा सकती है।

1500 करोड़ रुपये से होगा विस्तार

उन्होंने कहा कि संस्थान का विस्तार को लेकर भी नई योजनाएं बनाई गई है। अगले तीन से चार साल के भीतर 1500 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। शैक्षणिक व आवासीय भवन, प्रयोगशालाएं सहित अन्य विकास कार्य होंगे। वे बताते हैं कि इसके अलावा 500 करोड़ रुपये से विद्यार्थियों के लिए तीन नए हास्टल बनाए जाएंगे। प्रत्येक हास्टल की क्षमता 750 रखी गई है। 19 प्रायोगशाला-शिक्षकों के लिए बीस से अधिक केबिन और 814 यूनिट की मल्टी बनाई जाएगी।

डिग्री व उपाधि

प्रोग्राम	डिग्री
बीटेक	340
बीटेक-एमटेक	1
एमटेक	132
एमएससी	106
पीएचडी	131
एमएस (रिसर्च)	28
एमएसडीएसएम	75

समारोह में कुल 813 विद्यार्थियों-शोधार्थियों को डिग्री और उपाधि दी गई। साथ ही छह स्वर्ण और आठ रजत पदक भी वितरित किए गए हैं। कार्यक्रम में संस्थान के बोर्ड आफ डायरेक्टर डा. के सिवन ने अध्यक्षता की। निदेशक प्रो सुहास एस जोशी ने स्वागत भाषण भी दिया। आइआइएम इंदौर के निदेशक प्रो. हिमांशु राय भी मौजूद थे।

जीवन में सफलता जरूरी : समारोह में डा. के सिवन ने कहा कि आज आप केवल इंजीनियर या विज्ञानी बनकर नहीं जा रहे हैं। बल्कि समस्या का हल निकालने वाले बन चुके हैं।

स्वर्ण व रजत पदक मिले

- द प्रेसिडेंट अवार्ड आफ इंडिया माधव मुकुंद कदम बीटेक इन कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग
- इंस्टीट्यूट सिल्वर मेडल : क्रिश अग्रवाल बीटेक इन कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग
- इंस्टीट्यूट सिल्वर मेडल : हरमन सिंह बग्गा बीटेक इन इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
- इंस्टीट्यूट सिल्वर मेडल: दिव्यानी पांडे बीटेक इन मैकेनिकल इंजीनियरिंग
- इंस्टीट्यूट सिल्वर मेडल : क्षितिज केसरवानी : बीटेक सिविल इंजीनियरिंग
- इंस्टीट्यूट सिल्वर मेडल : इशान मोहन श्रीवास्तव बीटेक मैटेलर्जिकल इंजीनियरिंग एंड मटेरियल साइंस
- बेस्ट बीटीपी अवार्ड पालिसेठी: साई मेघना बीटेक इन सिविल इंजीनियरिंग
- बीयूटीआइ फाउंडेशन गोल्ड मेडल: मधु त्रिवेदी एमटेक इन सिविल इंजीनियरिंग
- पीजी सिल्वर मेडल : सौमल्या दास एमएससी इन बायोसाइंसेस एंड बायोमेडिकल इंजीनियरिंग
- पीजी सिल्वर मेडल: ओमकार राजेश कोलाने एमटेक इन इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
- एमएसडीएसएम सिल्वर मेडल: अमित कुमार एमएसडीएसएम एमएसडीएसएम
- वीपीपी मेनन गोल्ड मेडल: डा. जस्टी जोसेफ पीएचडी इन ह्यूमनिटिज एंड सोशल साइंसेस
- अगम प्रसाद मेमोरियल गोल्ड मेडल- डा. तनमय व्यास पीएचडी बायोसाइंसेस एंड बायोमेडिकल इंजीनियरिंग